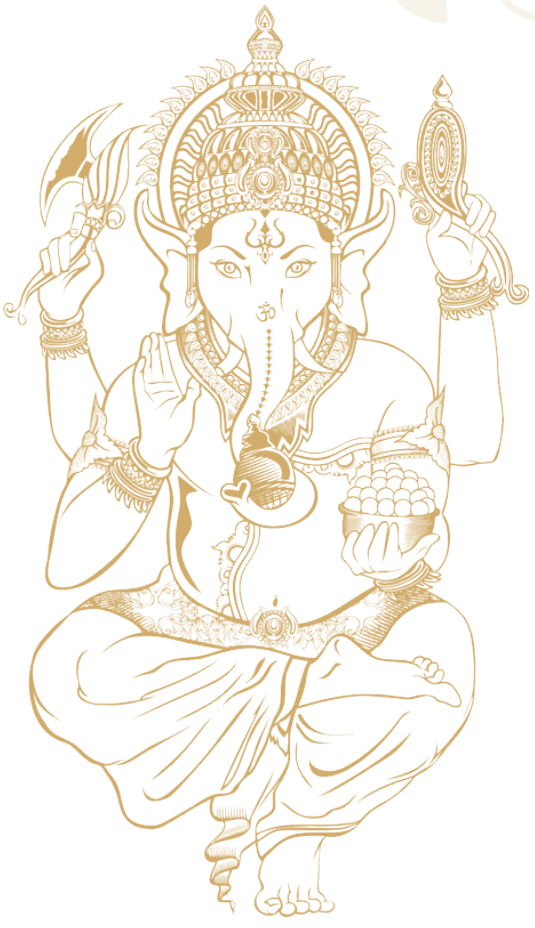

Sahil

19 Oct 2001

03:45 AM

Panipat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121861702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18-19/10/2001**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**03:45:00 घंटे**
इष्ट	53:18:42 घटी
स्थान	**Panipat**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:24:00 उत्तर
रेखांश	76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:22:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:50 घंटे
साम्पातिक काल	05:12:44 घंटे
सूर्योदय	06:25:31 घंटे
सूर्यास्त	17:48:49 घंटे
दिनमान	11:23:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:43:20 तुला
लग्न के अंश	25:46:36 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	आयुष्मान
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	25:46:36	315:25:00	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			तुला	01:43:20	00:59:37	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			वृश्चि	00:03:03	13:56:16	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	नीच राशि
मंगल			मक	00:11:14	00:39:55	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	उच्च राशि
बुध	व	अ	कन्या	21:52:46	00:44:37	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मिथु	21:27:34	00:02:52	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	10:23:26	01:14:31	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	नीच राशि
शनि	व		वृष	20:39:33	00:02:20	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	05:15:41	00:05:35	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	उच्च राशि
केतु	व		धनु	05:15:41	00:05:35	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:05:34	00:00:36	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:06:55	00:00:02	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	19:30:03	00:01:42	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	25:15:09	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:37

लग्न-चलित

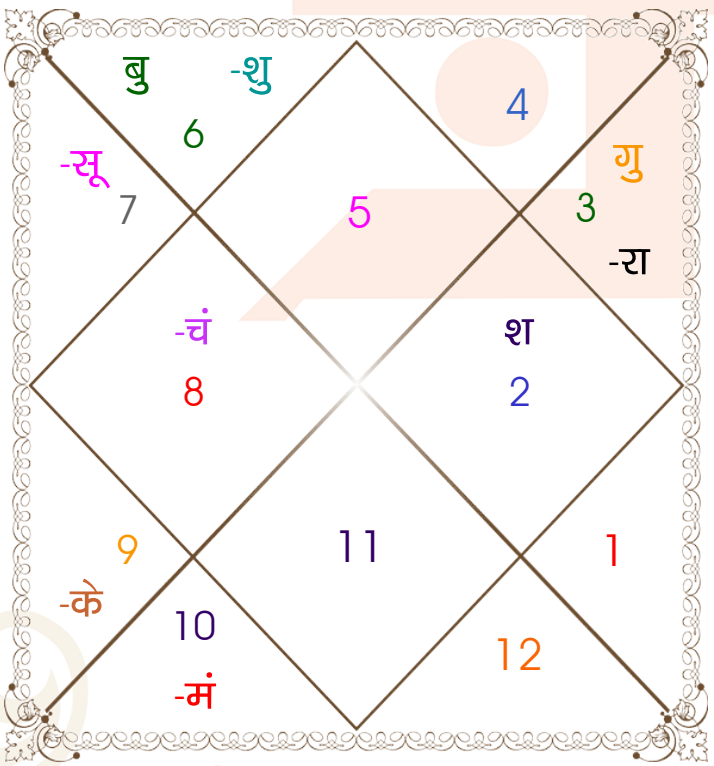

चन्द्र कुंडली

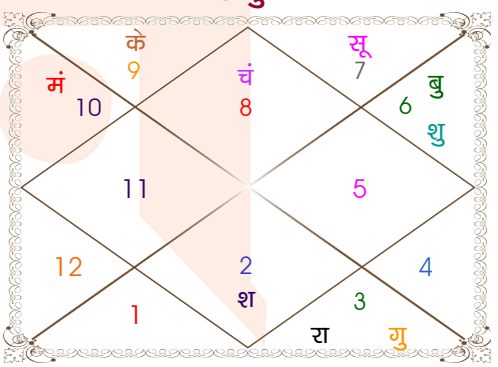

नवमांश कुंडली

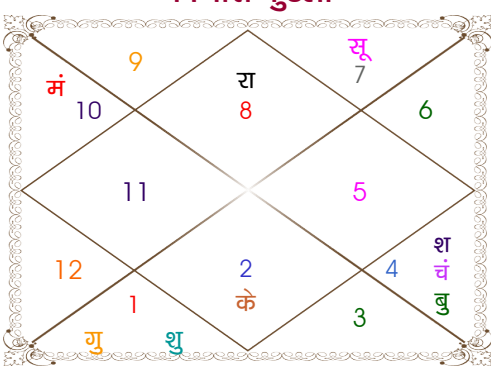

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 11 मास 8 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/10/2001		26/09/2005		26/09/2024		26/09/2041		26/09/2048	
26/09/2005		26/09/2024		26/09/2041		26/09/2048		26/09/2068	
	00/00/0000	शनि	29/09/2008	बुध	23/02/2027	केतु	23/02/2042	शुक्र	27/01/2052
	00/00/0000	बुध	09/06/2011	केतु	20/02/2028	शुक्र	25/04/2043	सूर्य	26/01/2053
	00/00/0000	केतु	18/07/2012	शुक्र	21/12/2030	सूर्य	31/08/2043	चंद्र	27/09/2054
	00/00/0000	शुक्र	18/09/2015	सूर्य	27/10/2031	चंद्र	31/03/2044	मंगल	27/11/2055
	00/00/0000	सूर्य	30/08/2016	चंद्र	28/03/2033	मंगल	27/08/2044	राहु	27/11/2058
	19/10/2001	चंद्र	31/03/2018	मंगल	25/03/2034	राहु	14/09/2045	गुरु	28/07/2061
चंद्र	28/05/2002	मंगल	10/05/2019	राहु	11/10/2036	गुरु	21/08/2046	शनि	26/09/2064
मंगल	04/05/2003	राहु	16/03/2022	गुरु	17/01/2039	शनि	30/09/2047	बुध	28/07/2067
राहु	26/09/2005	गुरु	26/09/2024	शनि	26/09/2041	बुध	26/09/2048	केतु	26/09/2068

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
26/09/2068		27/09/2074		26/09/2084		27/09/2091		27/09/2109	
27/09/2074		26/09/2084		27/09/2091		27/09/2109		00/00/0000	
सूर्य	14/01/2069	चंद्र	28/07/2075	मंगल	22/02/2085	राहु	09/06/2094	गुरु	16/11/2111
चंद्र	15/07/2069	मंगल	26/02/2076	राहु	13/03/2086	गुरु	02/11/2096	शनि	29/05/2114
मंगल	20/11/2069	राहु	27/08/2077	गुरु	17/02/2087	शनि	09/09/2099	बुध	03/09/2116
राहु	15/10/2070	गुरु	27/12/2078	शनि	28/03/2088	बुध	29/03/2102	केतु	10/08/2117
गुरु	03/08/2071	शनि	27/07/2080	बुध	25/03/2089	केतु	17/04/2103	शुक्र	10/04/2120
शनि	15/07/2072	बुध	27/12/2081	केतु	21/08/2089	शुक्र	16/04/2106	सूर्य	27/01/2121
बुध	22/05/2073	केतु	28/07/2082	शुक्र	21/10/2090	सूर्य	11/03/2107	चंद्र	20/10/2121
केतु	26/09/2073	शुक्र	28/03/2084	सूर्य	26/02/2091	चंद्र	09/09/2108		00/00/0000
शुक्र	27/09/2074	सूर्य	26/09/2084	चंद्र	27/09/2091	मंगल	27/09/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 11 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।